सीआइएन/(CIN)L65190MH2004GOI148838

IDBI BANK

प्रेस विज्ञप्ति
PRESS RELEASE

तत्काल प्रकाशन/ब्रॉडकास्ट/ प्रसारण के लिए

पीआर/1363

आईडीबीआई बैंक ने कायापलट के पथ पर मजबूत पूंजीगत स्थिति को प्रदर्शित किया

वित्तीय वर्ष 19 की तीसरी तिमाही (31 दिसंबर 2018 को समाप्त तिमाही) के वित्तीय परिणामों की विशेषताएं

आईडीबीआई बैंक में एलआईसी का निवेश – परस्पर लाभ का सौदा

- एलआईसी द्वारा आईडीबीआई बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण भारतीय बैंकिंग प्रणाली में एक प्रकार के वित्तीय संगुटन का सृजन करेगा.
- रणनीतिक संधि से एलआईसी और आईडीबीआई बैंक दोनों को परस्पर लाभ है जो सभी शेयरधारकों के लिए मूल्यवर्धित कारोबार के अवसर प्रदान कर दोनों को सुस्थापित करेगा.
- एलआईसी और आईडीबीआई बैंक अपने साझे की शाखा और स्टाफ नेटवर्क के माध्यम से उत्पाद और सेवाओं के प्रति-विक्रय पर ध्यान केन्द्रित कर विभिन्न प्रकार से अपने कारोबार संभावनाओं को समझ सकते हैं जो बैंक के रिटेल कारोबार वृद्धि को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है. इससे इसके कारोबार पोर्टफोलियो में जोखिम कम होगा तथा परिचालन एवं वित्तीय कार्यनिष्पादन में सुधार होगा.
- कारोबार सहक्रिया के कुछ क्षेत्रों में निम्नलिखित शामिल हैं :
  - एलआईसी के बीमा उत्पादों के प्रति-विक्रय और सर्विसिंग के लिए आईडीबीआई बैंक की 1800 से भी अधिक शाखाओं को ग्राहक जोन के रूप में नामित कर एलआईसी की पहुँच को बढ़ाना.
  - बैंक के उत्पादों और सेवाओं के प्रति-विक्रय के लिए एलआईसी के 10 लाख से भी अधिक एजेन्टों सहित उसके व्यापक वितरण नेटवर्क का लाभ उठाना.
  - जमा एवं चालू खाता सुविधाओं, सीएमएस आदि जैसी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए एलआईसी हेतु बैंक का प्राथमिक बैंक के रूप में उपयोग करना.
  - आकर्षक ऑफर प्रदान करते हुए एलआईसी के ग्राहकों, सक्रिय एजेन्टों और कर्मचारियों को आईडीबीआई बैंक के रिटेल ऋण का प्रति-विक्रय करना.

– एलआईसी को इसके द्वारा भावी अधिग्रहणों और सेल ऑफ के संबंध में दलाली, निवेश और सलाहकारी सेवाएं प्रदान करना.

- बैंक लाभप्रद वृद्धि पथ पर वापस अग्रसर होकर अपनी बेहतर स्थिति को प्राप्त करेगा तथा समयबद्ध तरीके से पीसीए से बाहर आएगा जिससे इसके मूल्य में सुधार होगा. इससे एलआईसी और भारत सरकार सहित सभी निवेशकों के धन में बढ़ोतरी सुनिश्चित होगी जो अपने निवेश पर उच्चतर रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं.

पूँजी

- **भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 21 जनवरी 2019 को आईडीबीआई बैंक में 51% नियंत्रक हिस्सेदारी के अधिग्रहण को पूरा किया.**
- बैंक को एलआईसी से कुल 21,624 करोड़ रु. की पूंजी प्राप्त हुई.
- **एलआईसी द्वारा पूंजी निवेश के आधार पर बैंक ने 31 दिसम्बर 2018 को विनियामिकीय पूंजी आवश्यकता को पूरा कर लिया है.**
- **बैंक की सीईटी 1** पूँजी 31 दिसम्बर 2017 के 6.62% की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को बढ़कर 9.32% हो गयी.
- **सीआरएआर** 31 दिसम्बर 2017 के 11.93% की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को बढ़कर 12.51% हो गया.
- **जोखिम भारित आस्तियां** (आरडब्ल्यूए) 31 दिसम्बर 2017 की तुलना में 58,405 करोड़ रु. (23%) घट कर 1,90,456 करोड़ रु. हो गईं.

कारोबार

कासा और रिटेल अग्रिम पोर्टफोलियो के संबंध में कारोबार संरचना में सुधार

- **कासा** 31 दिसम्बर 2017 के 85,644 करोड़ रु. की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को बढ़ कर 88,206 करोड़ रु. हो गया. 31 दिसम्बर 2018 को कासा कुल जमाराशियों का 38% हो गया.
- **बचत बैंक जमा राशियाँ** 31 दिसम्बर 2017 के 52,225 करोड़ रु. की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को 10% बढ़ कर 57,486 करोड़ रु. हो गईं.
- अग्रिम पोर्टफोलियो कॉर्पोरेट बनाम रिटेल की संरचना का पुनर्निर्धारण किया गया. (31 दिसम्बर 2017 के 59:41 की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को 52:48).
- संरचित रिटेल आस्ति पोर्टफोलियो 31 दिसम्बर 2017 के 43,803 करोड़ रु. से 6,868 करोड़ रु. या 16% बढ़ कर 31 दिसम्बर 2018 को 50,671 करोड़ रु. हो गया.

- 31 दिसम्बर 2018 को समग्र प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र उधार 41.14% था जबकि न्यूनतम विनियामकीय आवश्यकता 40% है.

<u>आस्ति गुणवत्ता</u>

- **प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर-तकनीकी बट्टे खाते में डाले गए सहित)** 31 दिसम्बर 2017 के 56.99% की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को 18% बढ़कर 75.21% हो गया.
- **सकल एनपीए और निवल एनपीए अनुपात** 30 सितम्बर 2018 के क्रमशः 31.78% और 17.30% की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को सुधर कर क्रमश: 29.67% और 14.01% हो गया.
- तिमाही के दौरान **गिरावट (स्लिपेज)** 2,211 करोड़ रु. रहा जो पिछली 7 तिमाहियों के दौरान सबसे कम था.
- **एनपीए से वसूली** दिसम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के 537 करोड़ रु. की तुलना में दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही में बढ़ कर 3,440 करोड़ रु. हो गई.

<u>लाभप्रदता</u>

- दिसंबर 2018 को समाप्त तिमाही के लिए **निवल ब्याज आय** 1357 करोड़ रु. हो गई.
- दिसंबर 2018 को समाप्त तिमाही के लिए **परिचालनगत लाभ** 725 करोड़ रु. हो गया.
- उच्चतर प्रावधानीकरण के कारण दिसंबर 2018 के लिए **निवल हानि** 4,185 करोड़ रु. रही.
- दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही के लिए **निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम)** 1.88% हो गया.
- **अग्रिमों पर आय** दिसम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के 8.69% की तुलना में दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान 20 बीपीएस बढ़कर 8.89% हो गया.
- **निधियों की लागत** दिसम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के 5.64% की तुलना में दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान बढ़कर 5.88% हो गया.
- **जमा राशियों पर लागत** दिसम्बर 2017 को समाप्त तिमाही के 5.46% की तुलना में दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान 5.53% हो गया.
- **लागत आय अनुपात** दिसम्बर 2017 के 36.55% की तुलना में दिसम्बर 2018 के दौरान बढ़कर 64.71% हो गया.

<u>सकेंद्रित क्षेत्र</u>

- रिटेल कारोबार, आस्ति गुणवत्ता एवं दक्षता सुधार पर जोर.
- कासा और रिटेल जमा बढ़ा कर जमाराशियों पर लागत को नियंत्रित करना.
- रिटेल कारोबार बढ़ा कर तुलन पत्र को मजबूत करना तथा कॉर्पोरेट एवं रिटेल पोर्टफोलियो का पुनर्निर्धारण.
- एनपीए समाधान, बट्टे खाते में डाले गए मामलों से वसूली, प्रावधान कवरेज में सुधार करने तथा गिरावट रोकने पर ध्यान देना.
- डिजिटल बैंकिंग – मोबाइल बैंकिंग कनेक्शन की संख्या दिसम्बर 2017 के 14,46,909 की तुलना में दिसम्बर 2018 को बढ़कर 24,67,256 हो गई. डिजिटल लेनदेन की मात्रा दिसम्बर 2017 के 1,52,339 करोड़ रु. की तुलना में 31 दिसम्बर 2018 को बढ़कर 1,69,781 करोड़ रु. हो गई.
- पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए सभी जोखिम प्रबंधन तथा ऋण नीतियों की समीक्षा करना.
- नयी कार्यनिष्पादन मूल्यांकन प्रणाली अर्थात् आईडीबीआई बैंक कार्यनिष्पादन निर्धारण एवं सतत् मूल्यांकन (आई-पेस), जो भूमिका की अधिक स्पष्टता, पारदर्शिता और स्कोरिंग में निष्पक्षता को सुनिश्चित करता है, के कार्यान्वयन द्वारा एचआर नीतियों में सुधार.

<u>अक्तूबर 2018 से आज तक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम</u>

- एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने कुछ ऋण लिखतों पर 'क्रेडिट वाच विद नेगटिव इंप्लीकेशन्स' से रेटिंग हटा लिया है.
- क्रिसिल ने 'वॉच विद डेवलॉपिंग इंप्लीकेशन्स' से कुछ लिखतों को हटा लिया है और स्टेबल आउटलुक रेटिंग दिया है.
- बैंक को एनएसडीएल द्वारा घोषित स्टार परफॉर्मर अवार्ड 2018 में नए खोले गए खाते (पीएसयू-बैंक श्रेणी) के मामले में शीर्ष कार्यनिष्पादक का पुरस्कार प्रदान किया गया.
- बैंक को नवम्बर 2018 में, एपीवाई अभिदान के लिए, अंतर बैंक प्रतियोगिता में सर्वोत्तम कार्यनिष्पादक के रूप में पीएफ़आरडीए से "लीडरशिप कैपिटल" पुरस्कार प्राप्त हुआ. बैंक को पीएफ़आरडीए से "राइज अबव द रेस्ट" पुरस्कार भी प्राप्त हुआ.
- बैंक की हिन्दी पत्रिका 'विकास प्रभा' को असोशिएशन ऑफ बिजनेस कम्युनिकेटर्स ऑफ इंडिया (एबीसीआई) से भारतीय भाषा श्रेणी में तीन पुरस्कार (दो रजत और एक कांस्य) पुरस्कार प्राप्त हुए.

- **मुंबई, 04 फरवरी 2019** : **आईडीबीआई बैंक लिमिटेड (आईडीबीआई)** के निदेशक मंडल की बैठक आज **मुंबई** में सम्पन्न हुई जिसमें 31 दिसम्बर 2018 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणामों पर विचार किया गया.

<u>अटैचमेंट के लिए यहाँ क्लिक करें</u>

प्रिंट, वायर और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के सभी प्रतिनिधि